प्रारम्भिक संबोधन

माननीय सदस्यगण,

षोडश बिहार विधान सभा के चतुर्दश सत्र के शुभारंभ पर आप सभी माननीय सदस्यों का मैं हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ ।

वर्त्तमान सत्र के दौरान कुल पाँच बैठकें निर्धारित हैं जिसमें 2019-20 के द्वितीय अनुपूरक व्यय विवरणी के व्यवस्थापन के अलावा राजकीय विधेयक तथा गैर सरकारी संकल्प लिये जाएंगे ।

माननीय सदस्यगण, लोकतंत्र विमर्श, आपसी समझदारी और समझौतों पर भरोसा करता है । लोकतंत्र में चर्चा केवल इसलिए नहीं होती कि दृष्टिकोण अथवा हितों में मतभेद होता है, बल्कि इसलिए भी कि मतभेदों की अभिव्यक्ति और उन्हें सुना जाना लोकतंत्र की विशेषता है । इस तरह लोकतंत्र विविधता, बहुलवाद और नागरिकों के बीच समानता को आधारभूत मानकर चलता है और जब कभी ऐसी विविधता प्रकट होती है तब इसे सुलझाने हेतु विमर्श की लोकतंत्रीय परम्परा का उपयोग होता है । इसलिए इस सदन में विचार-विमर्श पर सबसे अधिक तवज्जो दिया जाना ही अभीष्ट प्राप्ति को सार्थक सिद्धि दे सकता है ।

पिछले सत्र के दौरान आप सबों के सहयोग से ही सत्र अपेक्षाकृत सुव्यवस्थित चला जिसके कारण जनहित के अधिकाधिक मुद्दों पर विमर्श एवं उनका निदान का मार्ग प्रशस्त हो पाया । आप भी अवगत हैं कि इसकी सराहना भी हुई ।

इस परिप्रेक्ष्य में, मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस सत्र के सफल संचालन में भी आप सभी माननीय सदस्यों का सकारात्मक सहयोग निरंतर प्राप्त होगा ।

❁❁❁❁❁